व्यक्ति उपलब्ध न हों, तो अस्थायी अननुमत (unapproved) व्यक्तियों के स्थान पर अन्य यूनिटों से योग्यता-प्राप्त उम्मीदवारों को लाया जाता है ।

(ख) जी नहीं, क्योंकि पदोन्नति केवल उन्हीं व्यक्तियों में से की जाती है जिन्होंने डाकियों की परीक्षा में योग्यता प्राप्त की हो ।

### हिन्दी मे तार

१०००. **श्री अमर सिंह डामर :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि चालू वर्ष में कितने तारघरों में हिन्दी में तार भेजने की व्यवस्था करने का विचार है ?

**संचार मंत्रालय मे मंत्री (श्री राज बहादुर) :** २३१. (दो सौ इकत्तीस).

### कृषि-सम्बन्धी पत्रिकाये

१००१. **श्री अमर सिंह डामर :** क्या **खाद्य और कृषि** मंत्री २१ दिसम्बर, १९५५ के अतारांकित प्रश्न सख्या ८२५-क के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ये पत्रिकायें किन भाषाओं में प्रकाशित की जाती हैं ;

(ख) उनके प्रकाशन के मुख्य उद्देश्य क्या हैं और उनकी पूर्ति किस हद तक हो गयी है और;

(ग) इन प्रकाशनों पर कितना वार्षिक व्यय होता है ?

**कृषी मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख) :** (क) तथा (ग). एक विवरण, जिस में जानकारी दी गई है, नत्थी किया गया है [**देखिये** परिशिष्ट ८, अनुबन्ध संख्या ४२]

(ख) नत्थी किये हुए विवरण के १ से ७ तक के मदों में उल्लिखित पत्रिकायें इंडियन काउंसिल आफ ऐग्रिकल्चरल रिसर्च द्वारा प्रकाशित की जाती हैं । इंडियन काउंसिल आफ ऐग्रिकल्चरल रिसर्च (Indian Council of Agricultuaral Research of) एक वैज्ञानिक संगठन है इस लिये इस का एक काम भारतीये वैज्ञानिक कार्यकर्त्ताओं को उन में के द्वारा किये हुए अनुसन्धान कार्य के संबन्ध में वैज्ञानिक लेख प्रकाशनार्थ उत्साहित करना भी है । इंडियन ऐग्रिकल्चरल साइन्स तथा इंडियन वेटर्नरी साइन्स (Indian Agricultural Science and Indian Veterinary Science) पत्रिकाओं के प्रकाशन का उद्देश्य यह है कि ऐसी दो प्रामाणिक पत्रिकायें भारतीय वैज्ञानिक कार्यकर्त्ताओं को प्रस्तुत की जायें जहां वे अपने वैज्ञानिक लेख प्रकाशित कर सकें । ये पत्रिकायें इस उद्देश्य की सफलतापूर्वक पूर्त्ति कर रही हैं ।

इसी प्रकार हार्टीकल्चर ऐबैंसट्रैक्ट तथा राईस न्यूस लेटर (Horticultural Abstract and Rice News Letter) प्रकाशन का उद्देश्य है कि इन क्षेत्र में किये हुए काम की अन्तिम जानकारी वैज्ञानिक कार्यकर्त्ताओं को मौजूद की जाये । ये पत्रिकायें भी उस उद्देश्य की पूर्त्ति कर रही हैं । पुनः वैज्ञानिक संगठन होने के कारण आई० सी० ए० आर० के कर्त्तव्यों में से एक कर्त्तव्य केवल अनुसन्धान की जानकारी का ही नहीं बल्कि आम तौर पर कृषि और पशुचिकित्सा सम्बन्धी जानकारी का इकट्ठा करना और उसका प्रसार करना है आई० सी० ए० आर० तथा जिन समितियों द्वारा प्रकाशित एवं नत्थी किये हुए विवरण की क्रम संख्या ४ से ६ तक तथा ८ और ९ में उल्लिखित पत्रिकाओं का उद्देश्य अनुसन्धान के अन्तिम नतीजे लोकप्रिय भाषा में प्रसारित करने का है । यह मुमकिन नहीं कि इन के नतीजों का ठीक तौर पर पता लगाया जाये किन्तु इस बात को देखते हुए कि इन पत्रिकाओं की बहुत मांग है और समूल्य पत्रिकाओं के सम्बन्ध में हम भारी संख्या में पत्रिकाओं के ग्राहक बना सके हैं, यह कहा जा सकता है कि ये बहुत उपयोगी काम कर रही है ।

### बेरोजगारी

१००२. **श्री अमर सिंह डामर :** क्या **श्रम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य भारत में १९५४ में विभिन्न काम दिलाऊ दफ्तरों में अलग-अलग कितने ग्रेजुएटों, अंडरग्रेजुएटों और मेट्रिक पास लोगों ने अपने नाम दर्ज कराये थे; और

(ख) उनमें कितनों को नौकरी दिलवाई गई ?